फुल क्रीम दूध अब 66 रुपए में मिलेगा

मदर डेयरी ने बढ़ाए दूध के दाम, 2 रुपए बढ़ी

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली । मदर डेयरी ने मंगलवार से दिल्ली-एनसीआर मार्केट में दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। लागत में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए दाम बढ़ाए जा रहे हैं। मदर डेयरी ने इस साल 5वीं बार दूध के दामों में बढ़ोतरी की है। दिल्ली-एनसीआर में ये कंपनी दूध की एक बड़ी सप्लायर है। ये रोजाना करीब 30 लाख लीटर दूध की सप्लाई करती है। मदर डेयरी ने फुल क्रीम दूध की कीमत दो रुपए बढ़ाकर 66 रुपए प्रति लीटर कर दी है, जबकि टोंड दूध की कीमत 51 रुपए से बढ़ाकर 53 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। डबल टोंड दूध की कीमत 45 रुपए से बढ़ाकर 47 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। मदर डेयरी ने गाय के दूध और टोकन (बल्क वेंडेड) दूध के प्रकारों की कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। मदर डेयरी ने डेयरी किसानों से कच्चे दूध की कंपनी की खरीद लागत में इजाफ़े को कीमतों में बढ़ोतरी का जिम्मेदार ठहराया। कच्चे दूध की खरीद कीमतों में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 24% की बढ़ोतरी हुई है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी से घरेलू बजट प्रभावित होगा। मदर डेयरी ने कहा, 'कच्चे दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का तनाव पूरे इंडस्ट्री में महसूस किया जा रहा है, जो उपभोक्ता कीमतों पर दबाव डाल रहा है। किसानों को सही कीमतों का भुगतान जारी रखने की हमारी प्रतिबद्धता में, हम दूध के चुनिंदा प्रकारों के प्राइस को संशोधित करने के लिए विवश हैं। दिल्ली गण्ट में 27 दिसंबर 2022 से नई कीमतें प्रभावी होंगी।'
कंपनी ने इस साल कीमतों में कई बार बढ़ोतरी की है।

चुनौतियों में भी सबसे तेज बढ़ी अर्थव्यवस्था भारत की विकास दर रही सबसे तेज

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली । मंदी की आशंका और अन्य चुनौतियों के बावजूद भारत जनवरी-जुलाई, 2022 के बीच स्टार्टअप यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से ज्यादा मूल्यांकन) के मामले में चीन को पीछे छोड़ने में कामयाब रहा।

पहले कोरोना महामारी और फिर रूस-यूक्रेन युद्ध से पैदा हुईं चुनौतियों ने दुनियाभर के लिए महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक विकास के मोर्चे पर काफी मुश्किलें खड़ी कर दीं। आलम यह है कि अमेरिका और यूरोप जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी में फंसने के कगार पर हैं। इन चुनौतियों के बीच मजबूत आर्थिक और बुनियादी ढांचा प्रबंधन के दम पर भारत ऐसे हालात में भी सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही में भारत

की विकास दर क्रमशः 13.5 फीसदी एवं 6.3 फीसदी रही, जो दुनियाभर में सबसे तेज है।

हालांकि, खुदरा महंगाई के मोर्चे पर 10 महीने बाद थोड़ी राहत मिली, जब नवंबर में खुदरा महंगाई घटकर 11 महीने में पहली बार 6 फीसदी के नीचे आई। वहीं, अप्रैल, 2021 से सितंबर, 2022 तक लगातार दहाई अंकों में रहने वाली थोक महंगाई भी इस दौरान घटकर 21 महीने के निचले स्तर 5.85 फीसदी पर आ गई।आज वैश्विक स्तर पर हर 10 में एक यूनिकॉर्न का उदय भारत में हो रहा है। सरकार के प्रयासों और तकनीक-नवाचार की बदौलत मेट्रो शहरों के साथ छोटे इलाकों में भी स्टार्टअप का विस्तार हुआ। विस्तार की यह दर बाकी दुनिया के मुकाबले सबसे ज्यादा है। देश में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप की संख्या 2016 में 452 थी, जो 30 नवंबर, 2022 तक 186 गुना बढ़कर 84,012 पहुंच गई। हालांकि, यूनिकॉर्न बनने और फंडिंग मिलने की रफ्तार पिछले साल के मुकाबले 2022 में कम रही। 2021 में 44 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने थे, जबकि इस साल यह संख्या सिर्फ 23 रही। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के मुताबिक, 2022 में घरेलू स्टार्टअप को 24.7 अरब डॉलर की फंडिंग मिली, जो पिछले साल के 37.2 अरब डॉलर से 35 फीसदी कम है। एक अनुमान के मुताबिक, 2030 तक अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप की हिस्सेदारी बढ़कर 30 से 50 फीसदी हो जाएगी। केंद्र ने इसी साल जुलाई में अगली पीढ़ी के स्टार्टअप के लिए 750 करोड़ रुपये की समर्थन वाली डिजिटल इंडिया जेनेसिस योजना शुरू करने की घोषणा की थी।

महंगाई : 10 महीने बाद आखिरकार मिली राहत
महंगाई के लिहाज से यह साल काफी चुनौतियों भरा रहा। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की बढ़ी कीमतों ने इस साल जनवरी से अक्तूबर के दौरान आम लोगों से लेकर उद्योग तक को परेशान किया।

स्टार्टअप : यूनिकॉर्न में हमने चीन को पीछे छोड़ा
मंदी की आशंका और अन्य चुनौतियों के बावजूद भारत जनवरी-जुलाई, 2022 के बीच स्टार्टअप यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से ज्यादा मूल्यांकन) के मामले में चीन को पीछे छोड़ने में कामयाब रहा। इस अवधि में देश में 14 स्टार्टअप यूनिकॉर्न बने, जबकि चीन में यह आंकड़ा सिर्फ 11 रहा। फिलहाल देश में 108 यूनिकॉर्न हैं। इस में मामले अमेरिका और चीन के बाद भारत तीसरे स्थान पर है।

पेयू से 150 कर्मचारी निकाले गए

नई दिल्ली । बता दें कि इस वर्ष की शुरुआत में प्रोसस जिसके पास पेयू का स्वामित्व है उन्होंने कंपनी की ओर से ऑनलाइन पेमेंट गेटवे बिलडेस्क के 4.7 बिलियन डॉलर के अधिग्रहण प्रस्ताव को रद्द कर दिया था। वर्ष 2022 की समाप्ति से पहले छंटनी की एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भुगतान सेवा प्रदाता कंपनी पेयू ने अपने 150 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। खबरों के अनुसार, कंपनी से निकाले गए कुल कर्मचारी इसके कुल मैनपावर का छह प्रतिशत है। बता दें कि पेयू इंडिया के फिनेटक व्यवसायों में बिंबु, साइट्रस और लेजी पे जैसी कंपनियां शामिल हैं। कंपनी के अनुसार उसने छंटनी का फैसला नए लोगों की टीम तैयार करने के उद्देश्य से लिया है। बता हैं कि इस वर्ष की शुरुआत में प्रोसस जिसके पास पेयू का स्वामित्व है उन्होंने कंपनी की ओर से ऑनलाइन पेमेंट गेटवे बिलडेस्क के 4.7 बिलियन डॉलर के अधिग्रहण प्रस्ताव को रद्द कर दिया है।

मेटा कर्मचारी ने क्रूज शिप पर अपार्टमेंट लिया

किराए पर खर्च किए 2.4 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। मेटा के एक कर्मचारी ने वर्क फ्राम होम की सुविधा का एक खास तरीके से इस्तेमाल किया है। अमेरिका में मेटा के एक कर्मचारी ऑस्टिन वेल्स ने वर्क फ्रॉम होम के तहत कार्य करने के लिए एक क्रूज शिप ही अपार्टमेंट किराए पर ले लिया। कोरोना संकट के उबरने के बाद भी दुनिया की कई कंपनियां में वर्क फ्रॉम होम का दौर अब भी जारी है। हाल के दिनों में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह भी बताना मुश्किल है कि यह कब तक जारी रहेगा। फिलहाल वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने वाली कंपनियों की फ़ेहरिस्त में फ़ेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का भी नाम शामिल है। मेटा के एक कर्मचारी ने वर्क फ्राम होम की सुविधा का एक खास तरीके से इस्तेमाल किया है। अमेरिका में मेटा के एक कर्मचारी ऑस्टिन वेल्स ने वर्क फ्रॉम होम के तहत कार्य करने के लिए क्रूज शिप ही अपार्टमेंट किराए पर ले लिया। इसके लिए उन्होंने करीब तीन लाख डॉलर यानी 2.4 करोड़ रुपये खर्च किए। इस बारे में पूछे जाने पर ऑस्टिन का कहना है कि यह बहुत रोमांचक करने वाला अनुभव है। मैं वर्क फ्रॉम होम के साथ दुनिया घूमने का भी मजा ले सकता हूं। मेरे साथ मेरा जिम, डॉक्टर और डेंटिस्ट भी दुनिया घूम रहे हैं।

भारत व दक्षिण पूर्व एशिया में निवेश को अरबपति दे रहे तरजीह

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी अमेरिका भी अपने विशाल घरेलू बाजार और जीवंत उद्यमशीलता संस्कृति के साथ निवेशकों के लिए एक लोकप्रिय क्षेत्र बना हुआ है। जबकि बाकी दुनिया से इस मामले में अब भी आगे मुख्य भूमि चीन इन फिलहाल इस मामले में फिसलता दिख रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध और वैश्विक बाजार में जारी अनिश्चितताओं के बीच दुनिया भर के अरबपति और समेत दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य देशों में निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। सेक्टरों में वे मुख्य रूप से ऊर्जा, संभवतः दुनिया में जारी सप्लाई की दिक्कतों को देखते हुए और नवीकरणनीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने के लिए समर्थन दे रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में जारी की गई यूबीएस बिलिनायर एंबिशंस रिपोर्ट 2022 में ये बातें सामने आईं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ह्लउत्तरी अमेरिका भी अपने विशाल घरेलू बाजार और जीवंत उद्यमशीलता संस्कृति के साथ

निवेशकों के लिए एक लोकप्रिय क्षेत्र बना हुआ है।ह्व जबकि बाकी दुनिया से इस मामले में अब भी आगे मुख्य भूमि चीन इन फिलहाल इस मामले में फिसलता दिख रहा है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद कुछ निवेशक पश्चिमी यूरोप में भी निवेश करने के इच्छुक हैं। अलग-अलग क्षेत्रों की बात करें तो एक सर्वे के अनुसार अरबपतियों की दिलचस्पी प्रोद्योगिकी और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बनी हुई है। हालांकि आगे चलकर इन उद्योगों को सार्वजनिक इक्विटी मार्केट में घटते मूल्यांकन और रुचि का सामना करना पड़ा।

स्विस बैंक यूबीएस की ओर से जारी यह आठवीं रिपोर्ट है, जिसमें अरबपतियों को शामिल किया गया है और उनके ऐतिहासिक धन सृजन, व्यापार नवाचार और प्रभाव परोपकार के युग के दौरान उनकी संपत्ति और महत्वाकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह रिपोर्ट 75 बाजारों में 2,500 से अधिक अरबपतियों पर यूबीएस एविडेंस लैब के सर्वेक्षणों, सवालों और सूचनाओं पर आधारित है।

सर्वे में 58 प्रतिशत अरबपति उत्तरदाताओं ने भारत और दक्षिण पूर्व एशिया को निवेश के लिए अपने पसंदीदा बाजार के रूप में चुना। केवल 42 प्रतिशत ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को निवेश के लिए पसंदीदा स्थान बनाया।

2022 में 10% टूटा रुपया

नई दिल्ली । मुद्रा बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2023 के पहले छह महीनों के दौरान वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण रुपये के बाजार में भारतीय उठा-पटक देखने को मिल सकती है। जानकार मानते हैं कि रुपये को गिरावट की ओर धकेलने में ग्लोबल मंदी, जिसकी आशंका जताई जा रही है और कोविड का भी योगदान रह सकता है। वर्ष 2022 को विदाई देने का वक्त आ गया है। नया साल प्रवेश करने को तैयार है। ऐसे में इस बात पर चर्चा भी जरूरी है कि बीते साल में लगातार नीचे की ओर फिसलने वाली भारतीय मुद्रा रुपये की चाल डॉलर के मुकाबले नए साल में कैसी रहेगी? आइए जानकारों के नजरिए से समझते हैं कि नए साल में रुपये का गिरना जारी रहेगा या इसके दिन बहुरेंगे। मुद्रा बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2023 के पहले छह महीनों के दौरान वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण रुपये के बाजार में भारतीय उठा-पटक देखने को मिल सकती है। जानकार मानते हैं कि रुपये को गिरावट की ओर धकेलने में ग्लोबल मंदी, जिसकी आशंका जताई जा रही है।

5जी से नए युग की शुरुआत, आसान होगा जीवन, 4जी के मुकाबले 10 गुना ज्यादा

नई दिल्ली। एरिक्सन कंज्यूमर लैब के मुताबिक, भारत में करीब 10 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता ऐसे हैं, जो 5जी से जुड़ने के लिए तैयार हैं। इन उपभोक्ताओं के पास 5जी रेडी स्मार्टफोन हैं। देश में इस साल अक्तूबर में 5जी की शुरुआत हुई।?5जी न सिर्फ एक नए?युग की शुरुआत है बल्कि इससे जीवन काफी आसान हो जाएगा।?4जी के मुकाबले इसकी स्पीड 10 गुना ज्यादा है।?इसके जरिये सिर्फ 20 सेकंड में एक फिल्म डाउनलोड कर सकते हैं। 5जी की मदद से दूर बैठे कई उपकरणों को कंट्रोल किया जा सकता है। जिन ड्राइवरलेस कारों को भविष्य में

बड़ी उम्मीद से देखा जा रहा है, उनका संचालन 5जी से ही संभव है। सूचना मंत्रालय के मुताबिक, 2035 तक देश की जीडीपी में 5जी का योगदान 450 अरब डॉलर तक होगा। एरिक्सन कंज्यूमर लैब के मुताबिक, भारत में करीब 10 करोड़ मोबाइल उपभोक्ता ऐसे हैं, जो 5जी से जुड़ने के लिए तैयार हैं। इन उपभोक्ताओं के पास 5जी रेडी स्मार्टफोन हैं।

खत्म होगी डॉलर की बादशाहत

वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए उपलब्ध होगा डिजिटल रूपी

नई दिल्ली। डिजिटल रुपये का इस्तेमाल यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस, डेबिट/क्रेडिट कार्ड आदि के जरिये भुगतानों के लिए किया जा सकता है। यह पारंपरिक ऑनलाइन लेनदेन से अलग है। आरबीआई ने हाल ही में डिजिटल रूपी पेश किया है। इस ऐतिहासिक कदम से न सिर्फ सरकार के डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी बल्कि अमेरिकी डॉलर की बादशाहत को भी झटका लगेगा। जानकारों की मानें तो यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका ने जिस तरह रूस के विदेशी मुद्रा भंडार पर पाबंदी लगा दी। इससे कई देश समझ गए कि वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए डॉलर पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। डिजिटल मुद्रा दुनियाभर के देशों की यह चिंता कम कर सकता है। पहले ईरान और अब रूस ने जो रास्ता दिखाया है, उसका असर

आने वाले दिनों में यह हो सकता है कि भारत अन्य देशों से कारोबार में रुपये में लेनदेन के विकल्प पर जोर देगा। इससे डॉलर पर निर्भरता कम होने के साथ निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक अजय कुमार चौधरी का कहना है कि डिजिटल रूपी मुद्रा प्रणाली के सिस्टम में दक्षता लाएगी। भुगतान के तरीके में नया लचीलापन देने के साथ विदेश में होने वाले भुगतान को भी बढ़ावा देगा। सामाजिक और आर्थिक परिणामों से होने वाले नुकसानों से भी बचा जा सकेगा।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

लोकस्वर मीडिया नेटवर्क
lokswar.in

नई दिल्ली । दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है।

तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल मोपका, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
सूचना
क्र./क/सीमांकन/रा.नि./2022
मोपका, दिनांक 23.12.2022

प्रति
ऋषिकेश सिंह/विजय सिंह
विजय सिंह, दुर्गेश सिंह वगै.
अन्य सर्वसंबंधित पक्षकार
विषय: सीमांकन के समय उपस्थित रहने बाबत।
संदर्भ: न्यायालय तहसीलदार/नायब तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्र./क/तह./वा./22 दिनांक 17.11.2022
ग्राम लिंगियाडीह, प.ह.नं- 20, रा.नि.मं. मोपका, तहसील व जिला- बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 24/2 रकबा 0.134 हेक्टेयर के सीमांकन हेतु ऋषिकेश सिंह पिता/पति विजय सिंह जाति-ठाकुर, निवासी लिंगियाडीह के द्वारा न्यायालय तहसीलदार / नायब तहसीलदार बिलासपुर में आवेदन प्रस्तुत किया है।
न्यायालयीन आदेश के परिपालन में उपरोक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 05.01.2023 को समय 10:00am से 5:00pm को किया जाना है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।
अतः आप उक्त तिथि को नियत समय पर मौके में भूमि संबंधी दस्तावेज के साथ उपस्थित रहें। उपस्थित नहीं होने की दशा सीमांकन कार्य बाधित होने की संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी तथा बाद की आपत्ति पर कोई विचार नहीं की जावेगी।
सील
(अशोक कुमार सोनी)
राजस्व निरीक्षक, मोपका

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल मोपका, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
सूचना
क्र./क/सीमांकन/रा.नि./2022
मोपका, दिनांक 23.12.2022

प्रति
कमलदीप सिंह/त्रिलोचन सिंह
त्रिलोचन सिंह, सलूजा
अन्य सर्वसंबंधित पक्षकार
विषय: सीमांकन के समय उपस्थित रहने बाबत।
संदर्भ: न्यायालय तहसीलदार/नायब तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्र./क/तह./वा./22 दिनांक 22.12.2022
ग्राम लिंगियाडीह, प.ह.नं- 20, रा.नि.मं. मोपका, तहसील व जिला- बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 93/8 रकबा 0.046 हेक्टेयर के सीमांकन हेतु कमलदीप सिंह पिता/पति त्रिलोचन सिंह जाति-पंजाबी, निवासी दयालबंद के द्वारा न्यायालय तहसीलदार / नायब तहसीलदार बिलासपुर में आवेदन प्रस्तुत किया है।
न्यायालयीन आदेश के परिपालन में उपरोक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 05.01.2023 को समय 10:00am से 5:00pm को किया जाना है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।
अतः आप उक्त तिथि को नियत समय पर मौके में भूमि संबंधी दस्तावेज के साथ उपस्थित रहें। उपस्थित नहीं होने की दशा सीमांकन कार्य बाधित होने की संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी तथा बाद की आपत्ति पर कोई विचार नहीं की जावेगी।
सील
(अशोक कुमार सोनी)
राजस्व निरीक्षक, मोपका

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल मोपका, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.)
सूचना
क्र./क/सीमांकन/रा.नि./2022
मोपका, दिनांक 23.12.2022

प्रति
त्रिलोचन सिंह/करतार सिंह
रतीश सलूजा
अन्य सर्वसंबंधित पक्षकार
विषय: सीमांकन के समय उपस्थित रहने बाबत।
संदर्भ: न्यायालय तहसीलदार/नायब तहसीलदार बिलासपुर के ज्ञापन क्र./क/तह./वा./22 दिनांक 22.12.2022
ग्राम लिंगियाडीह, प.ह.नं- 20, रा.नि.मं. मोपका, तहसील व जिला- बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 75/18 रकबा 0.040 हेक्टेयर के सीमांकन हेतु विजय सिंह पिता/पति भूनेश्वर सिंह जाति-ठाकुर, निवासी लिंगियाडीह के द्वारा न्यायालय तहसीलदार / नायब तहसीलदार बिलासपुर में आवेदन प्रस्तुत किया है।
न्यायालयीन आदेश के परिपालन में उपरोक्त भूमि का सीमांकन दिनांक 05.01.2023 को समय 10:00am से 5:00pm को किया जाना है जिसमें आपकी उपस्थिति अनिवार्य है।
अतः आप उक्त तिथि को नियत समय पर मौके में भूमि संबंधी दस्तावेज के साथ उपस्थित रहें। उपस्थित नहीं होने की दशा सीमांकन कार्य बाधित होने की संपूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी तथा बाद की आपत्ति पर कोई विचार नहीं की जावेगी।
सील
(अशोक कुमार सोनी)
राजस्व निरीक्षक, मोपका

लोन लेने के लिए ITR बनवाएं मात्र 500/- में
ITR GST
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इंकम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिगनेचर
शेखर गुप्ता 9300755544
ONLYTDS.COM 8878655544

इलेक्ट्रिक और ग्रीन मोबिलिटी का साल रहा 2022 रिकॉर्ड बिक्री, पर ईवी में सुरक्षा की चिंता

नई दिल्ली। इस साल ई-वाहनों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं। इसे देखते हुए डीआरडीओ ने इस पर सरकार को रिपोर्ट सौंपी है। उम्मीद है कि सरकार 2023 से ई-वाहन निर्माताओं के लिए नए मानक और गाइडलाइंस जारी कर सकती है। आपूर्ति शृंखला और सेमीकंडक्टर की कमी से जूझने वाले वाहन उद्योग के लिए यह साल मिलाजुला रहा। अगस्त से पहले बिक्री में गिरावट दर्ज करने वाले उद्योग के लिए त्योहारी सीजन शानदार रहा। नवंबर, 2022 वाहन उद्योग के इतिहास में सर्वाधिक खुदरा बिक्री वाला महीना बन गया। वाहन बिक्री 26% बढ़कर 23,80,465 इकाई पहुंच गई। खुदरा बिक्री भी 24% बढ़कर

3,00,922 इकाई पहुंच गई। 2022 इलेक्ट्रिक एवं ग्रीन मोबिलिटी का साल रहा है। 9 दिसंबर, 2022 तक देश में 4.43 लाख इलेक्ट्रिक वाहन (ई-वाहन) बिके। यह 2021-22 में बिके 2.38 लाख ई-वाहनों से काफी ज्यादा है। अक्तूबर में ही सिर्फ एक लाख से ज्यादा ई-वाहन बिके। हालांकि, कई ई-स्कूटर में आग लगने की घटनाओं के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बरकरार है। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, 3,27,730 कारों में सिर्फ 17% यानी 55,264 कारों में ही 6 एयरबैग लगे हैं।

मजबूत होंगे चार्जिंग के बुनियादी ढांचे

सरकार की ओर से दिए गए प्रोत्साहन एवं आधुनिक तकनीकों के चलते 2023 में ई-वाहनों के मॉडलों की संख्या, चार्जिंग स्टेशन और वेंडर सिस्टम में काफी सुधार होगा। डी-लाइसेंसिंग जैसे कदम से चार्जिंग के बुनियादी ढांचे मजबूत होंगे। इसके अलावा, ईवी उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने उपभोक्ताओं और निर्माताओं दोनों को कई प्रोत्साहन दिए हैं। ई-मोबिलिटी से कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी।

जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: ''मंगल स्मृति'' बाजपेयी मैदान, तिलक नगर, बिलासपुर सी.जी., 495001
सीआईएन: U35202CT2003PLC015940, संपर्क: +91-7773015688,
ई-मेल: info@jayantinfra.com <mailto:info@jayantinfra.com>

डाक मत सूचना

एतद द्वारा सदस्यों को सूचित किया जाता है कि कि कंपनी (प्रबंधन और संचालन) नियमावली, 2014 समय-समय पर यथासंशोधित के नियम 22 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 110 और अन्य लागू प्रावधानों (वर्तमान में प्रभावी हो) प्रावधानों के अनुसार कंपनी ने निम्नलिखित के संबंध में कंपनी के सदस्यों की सहमति लेने के लिए डाक मत सूचना, व्याख्यात्मक विवरण और डाकमत प्रपत्र को भौतिक माध्यम से डाक शुल्क अदा सब -पता लिखा बिजनेस जवाबी लिफाफे के साथ 26 दिसंबर,2022 को प्रेषण पूर्ण कर लिया है:

1. विकरणिका दिनांकित 24 जून 2022 में बताए निर्गम के उद्देश्यों में परिवर्तन -विशेष संकल्प;
2. मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के उद्देश्य खंड में बदलाव-विशेष संकल्प

नोट किया जाए कि कंपनी (प्रबंधन और संचालन) नियमावली, 2014 के नियम 20 के प्रावधान के अनुसार, कंपनी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का निर्गम और प्रकटन आवश्यकताएं) नियमावली, 2009 के अध्याय IX के अध्याय IX के संदर्भानुसार इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान की सुविधा प्रदान करना आवश्यक नहीं है। इसलिए, हमारी कंपनी अपने शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान नहीं कर रही है। सदस्य जिनके नाम कट -ऑफ तिथि अर्थात शुक्रवार, 23 दिसंबर, 2022 तक डिपॉजिटरीयों के पास दर्ज है, केवल वे डाक मत से मतदान करने के हकदार होंगे। डाक मतपत्र प्रविधि निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से करने के लिए मैसर्स अग्रवाल एंड अग्रवाल, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी, रायपुर को संवीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। डाक मत से मतदान मंगलवार 27 दिसंबर, 2022 को सुबह 9:00 बजे से शुरू होगा और शुक्रवार, 27 जनवरी, 2023 को शाम 5:00 बजे समाप्त हो जाएगा।

विधिवत भरे हुए डाक मत पत्र संवीक्षक के पास स्व-पता लिखे बिजनेस रिलाई लिफाफे जिस पर रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट का पता -'एस 6-2 फिनेक्ट बिजनेस पार्क, महाकाली केव्स रोड, अंधेरा सेंटर के बगल में, अंधेरी (पूर्व)', मुंबई 400093, महाराष्ट्र लिखा है के माध्यम से शुक्रवार, 27 जनवरी, 2023 शाम 5:00 बजे या उससे पहले तक प्राप्त हो जाने चाहिए, उक्त तिथि व समय के बाद डाक मत प्रपत्र द्वारा मतदान की अनुमति नहीं होगी।

यदि डाट -ऑफ तिथी तक सदस्यों को सूचना और डाकमत प्रपत्र प्राप्त नहीं होता है तो वह इनकी अनुक्रिणि पति प्राप्त करने के लिए कंपनी को अपना डीपी आईडी और क्लाइंट आईडी न. के साथ कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में लिख सकते हैं या cs@jayantinfra.com पर ईमेल कर सकते है। डाकमत से संबंधित कोई भी शिकायत सुश्री सृष्टि रामानी से cs@jayantinfra.com पर की जा सकती है।

संकल्प यदि आवशाक बहुमत से अनुमोदित होते है, डाकमट पत्र प्राप्ति की तिथी अर्थात शुक्रवार, 27 जनवरी, 2023 से पारित माने जायेंगे। डाकमत का परिणाम अध्यक्ष द्वारा, 1 फरवरी,2023 को 5:00 बजे तक घोषित किया जायेगा। ये परिणाम सचिवाक की रिपोर्ट के साथ कंपनी की वेबसाइट www.jayantinfra.com पर भी उपलब्ध होंगे और बीएसई को भी सूचित किए जायेंगे। डाकमत प्रपत्र कंपनी की वेबसाइट और बीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कृते, जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड
हस्ता/-
सृष्टि रामानी
कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी
तारीख-27.12.2022
स्थान - बिलासपुर

फॉर्म -बीएफस-1
[कंपनी (प्रॉस्पेक्टस और प्रतिभूतियों का आवंटन) नियम, 2014 की धारा 27(1) और नियम 7(2) के अनुसार]
जयंत इंफ्राटेक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: ''मंगल स्मृति'' बाजपेयी मैदान, तिलक नगर, बिलासपुर सी.जी., 495001
सीआईएन: U35202CT2003PLC015940, संपर्क: +91-7773015688, ई-मेल: info@jayantinfra.com
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि 22 दिसंबर, 2022 के एक संकल्प के द्वारा, बोर्ड ने रु. 57 प्रति इक्विटी शेयर की शेयर प्रीमियम के साथ रु. 67 प्रति इक्विटी शेयर के निर्गम मूल्य पर कुल समग्र राशि 619.08 लाख के 9,24,000 इक्विटी शेयर के निर्गम के संबंध में जारी 24 जून, 2022 की विवरणिका में उल्लिखित उद्देश्य(ओं) में परिवर्तन का प्रस्ताव किया है। उक्त संकल्प के अनुसार यह भी सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्ताव के अनुमोदन के लिए डाक मत द्वारा एक विशेष प्रस्ताव पारित किया जाना है। ऐसे परिवर्तन/संशोधन का विवरण निम्नवत है:

1). परिवर्तित किए जाने वाले उद्देश्यों का ब्योरा: कंपनी ने (i) रासर को किराए पर लेने के लिए सुरक्षा जमा राशि का भुगतान; (ii) कार्यशील पूंजी आवश्यकताएँ; (iii) सामान्य कॉर्पोरेट प्रयोजन के लिए अपने इक्विटी शेयरों के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम से रु. 619.08 लाख जुटाये

Sr. No.	परिवर्तित किए जाने वाले उद्देश्यों	आईपीओ राशी	22.12.202 तक कुल व्यय राशि	विवरणिका के अनुसार अनुपयुक्त राशि	विवरणिका के अनुसार उपलब्धि का%
1.	कार्यालय स्थान के किराए के लिए सुरक्षा जमा का भुगतान	300.00	0	300.00	0

2). प्रस्तावित परिवर्तन का ब्योरा: अनुप्रयुक्त आईपीओ राशी रु. 300.00 लाख का बिजनेस विस्तार, कार्यशील पूंजी, व्यवसाय बिजनेस प्रचार आदि के लिए प्रयुक्त किया जाना इच्छित है।
3) परिवर्तन का कारण: कंपनी ने 07 जून, 2022 को लाइसे